SMMD GOVERNMENT SANSKRIT COLLEGE, PANCHKULA

Report of One-Day State level Awareness Seminar-Cum –Workshop
on
'Sustainable Development Goals'

Held under the aegis of

Department of Higher Education, Haryana

and

In collaboration with

Swarna Jayanti Haryana Institute for Fiscal Management, Panchkula

on

20th November, 2023

Venue: Government Postgraduate College, Sector- 1, Panchkula

Dr Renuka Dhyani
Convenor

Mrs. Reeta Gupta (HES I)
Principal & DHEO

REPORT OF ONE-DAY STATE LEVEL AWARENESS SEMINAR-CUM-WORKSHOP ON SDG

Shree Mata Mansa Devi Government Sanskrit College, Panchkula, under the aegis of Department of Higher Education, Haryana, and in collaboration with Swarna Jayanti Haryana Institute for Fiscal Management, Panchkula organized a One-Day State level Awareness Seminar-Cum-Workshop on Sustainable Development Goals on 20th November, 2023 at Government Postgraduate College, Sector – 1, Panchkula as SJHIFM's ongoing campaign of creating awareness about SDGs. One hundred and ten (110) participants, including Principals and Assistant and Associate Professors from the different government colleges of Haryana participated in this State-level Seminar-cum-Workshop.

Inaugural Session: The Workshop was inaugurated by the Chief-Guest, Dr. Archana Mishra, Hon'ble Vice Chancellor, B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat (Haryana). She initiated the proceedings of the Seminar-cum-Workshop by lighting the lamp of knowledge before Goddess Saraswati.

Mr. Yashpal Singh, Principal, Government Postgraduate College, Sector- 1, Panchkula was the Guest of Honour. After a formal welcome of the Chief Guest, Dr Archana Mishra, Hon'ble Vice Chancellor, B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat and other guests by Mrs. Reeta Gupta, Principal, SMMD Government Sanskrit College, and DHEO, Panchkula, a brief introduction of the Seminar-Cum-Workshop was given by Dr. Salinder Malik, State Program Officer, Swarna Jayanti Haryana Institute for Fiscal Management, Panchkula.

In her Inaugural Address Dr. Archana Mishra, Hon'ble Vice Chancellor, B.R. Ambedkar National Law University, Sonipat, an environmentalist in her own right, brought out the inter-relatedness of Science, religion, ancient practices and morality.

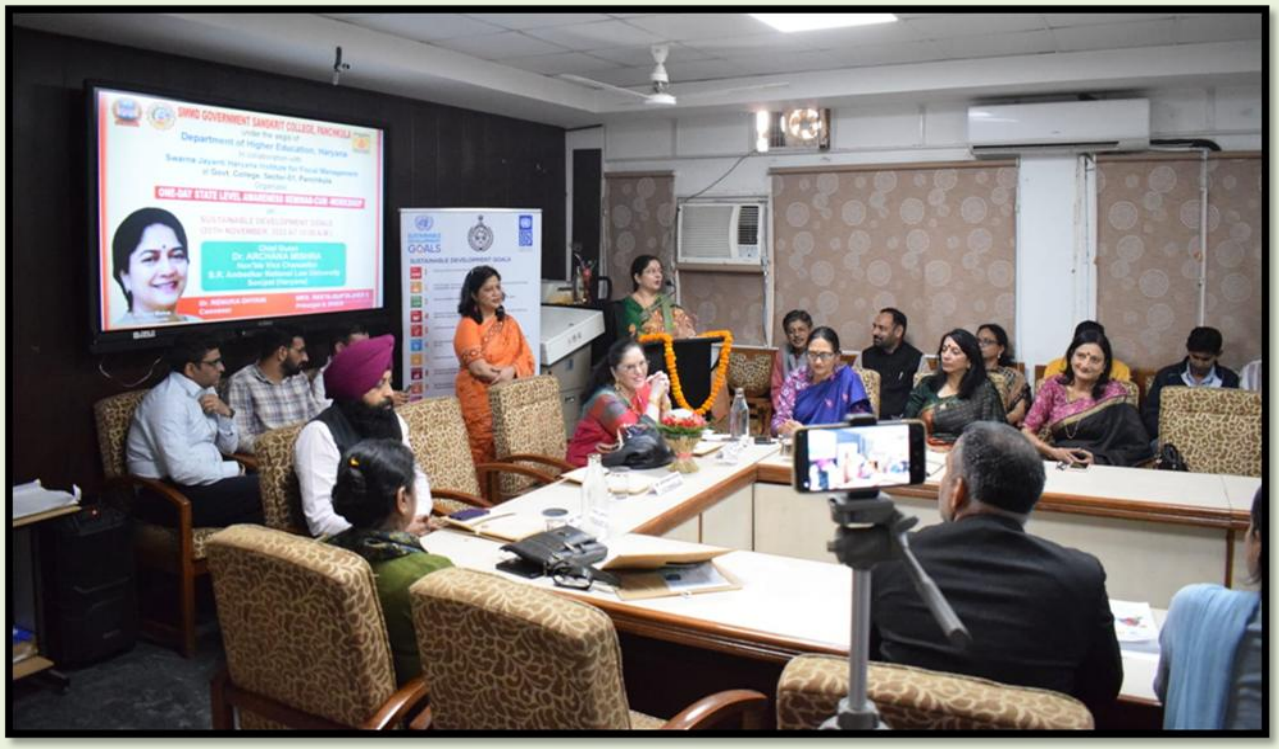

REPORT OF ONE-DAY STATE LEVEL AWARENESS SEMINAR-CUM-WORKSHOP ON SDG

Felicitation of Guest of Honour and Resource Persons by the Hon'ble Chief Guest

Vote of Thanks: The Inaugural Session ended with a vote of thanks by the Convenor of the Seminar-cum-Workshop, Dr Renuka Dhyani, Associate Professor, Department of English, SMMD Government Sanskrit College, Panchkula.

Technical Session I

Dr. Salinder Malik, State Program Officer, Swarna Jayanti Haryana Institute for Fiscal Management, Panchkula, created awareness amongst the participants through his lecture on the topic of **'Sustainable Development Goals Sensitization.'**

Technical Session II

Dr. Hemant Verma, Principal, Government College, Barwala, Panchkula deliberated on the topic of '**Quality Education.'**

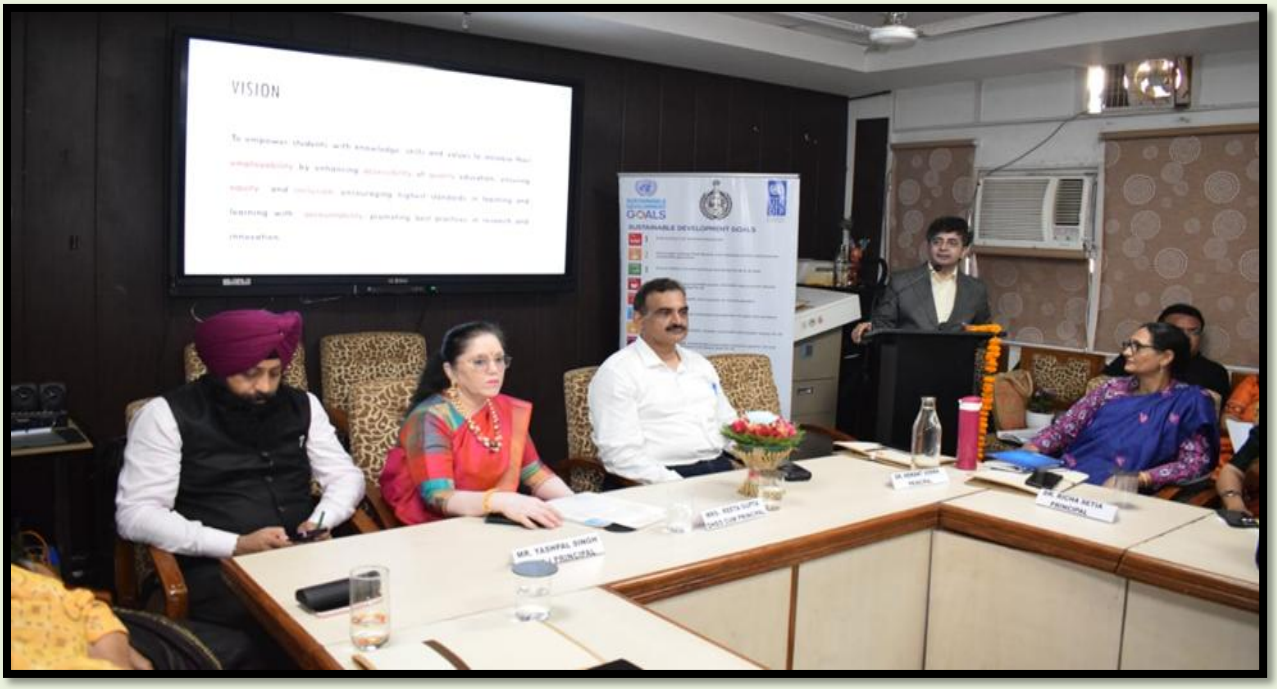

Technical Session III

Dr. Vishal Sharma, Joint Director**,** Department of Higher Education, Haryana interacted with the participants on the topic of **'The Net Zero Energy Building with Carbon credits for Zero Waste Sustainable Future.'**

Technical Session IV

Dr Richa Setia, Principal, GCW, Sector-14, Panchkula, through her **'Lecture-cum-Workshop on Pot-Composting'** sensitized the participants about the proper segregation of waste.

VALEDICTION CEREMONY: Dr Richa Setia, Principal, GCW, Sector-14, Panchkula presided over the valedictory ceremony and distributed certificates amongst the participants.

From Garbage to Garden
REETA GUPTA
CUM PRINCIPAL

From Garbage to Garden
Thank You

From Garbage
MR. YASHPAL SINGH
HES-I PRINCIPAL
MRS. REETA GUPTA
CUM PRINCIPAL
DR. RICHA SETIA
PRINCIPAL

अजीत समाचार पंचकूला

अजीत समाचार, चंडीगढ़ 5 मंगलवार, 21 नवम्बर, 2023

संधारणीय विकास लक्ष्य पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला व सेमीनार का आयोजन

विज्ञान और अध्यात्म को एकसाथ लेकर चलने की आवश्यकता : कुलपति अर्चना मिश्रा

पंचकूला, 20 नवम्बर (सुरेंदर): मनुष्य को अपनी भावी पीढ़ियों के विकास और बेहतरी के लिए संधारणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। इसके लिए हमें विज्ञान और अध्यात्म को साथ-साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। ये शब्द बीआर अम्बेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ अर्चना मिश्रा ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संधारणीय विकास लक्ष्य (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल) पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं सेमीनार में कहे। डॉ मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कार हमें वनस्पति और पशुओं की पूजा एवं सत्कार करना सिखाते हैं। सेमिनार में प्रतिभागी प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारत के लिए नई अवधारणा नहीं है बल्कि सम्राट अशोक जैसे राजाओं ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी कानून बनाए। भारत में ईको विलेज की अवधारणा भी प्राचीन समय से चली आ रही है। उन्होंने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के विभिन्न 17 बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश भी डाला। कुलपति अर्चना मिश्रा इस सेमीनार में बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता शामिल हुई। सेमीनार एवं कार्यशाला का आयोजन श्री माता मनसा देवी संस्कृत महाविद्यालय पंचकूला और स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टिट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जिला उच्च शिक्षा अधिकारी एवं श्री माता मनसा देवी संस्कृत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीटा गुप्ता ने मुख्यातिथि डॉ. अर्चना मिश्रा का स्वागत किया और उनके व्यक्तित्व से श्रोताओं को परिचित करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सैक्टर-1 कॉलेज के प्राचार्य यशपाल सिंह ने की। सेमिनार के प्रथम सत्र में स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर, स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टिट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट, डॉ सलेंदर मलिक ने 'सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेनेटाइजेशन' विषय पर प्रस्तुति दी। मलिक ने संयुक्त राष्ट्र सभा द्वारा अंगीकृत किये गए सभी बिन्दुओं से श्रोताओं को विस्तार से परिचित करवाया। दूसरे तकनीकी सत्र के दौरान राजकीय कॉलेज बरवाला, पंचकूला के प्राचार्य डॉ हेमंत वर्मा ने 'गुणवत्तापरक शिक्षा' पर अपने विचार प्रस्तुत किये। हरियाणा उच्चतर शिक्षा विभाग से जॉइंट डायरेक्टर, डॉ. विशाल शर्मा ने तीसरे सत्र में 'द नेट जीरो एनर्जी बिल्डिंग विद कार्बन क्रेडिट्स फॉर जीरो वेस्ट सस्टेनेबल फ्यूचर' पर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में राजकीय महिला महाविद्यालय सैक्टर -14 की प्राचार्य डॉ. ऋचा सेतिया ने 'पॉट कम्पोस्टिंग' पर लेक्चर और कार्यशाला का आयोजन किया। मंच संचालन कार्यक्रम की संयोजक डॉ. रेणुका ध्यानी और दीक्षा भनोट द्वारा किया गया। समापन सत्र में डॉ. ऋचा सेतिया ने प्रतिभागियों का धन्यवाद किया।

संधारणीय विकास लक्ष्य पर आयोजित कार्यक्रम के विभिन्न दृश्य।

www.aajsamaaj.com

खबर एक्सप्रेस

संधारणीय विकास लक्ष्य पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं सेमीनार का आयोजन

पंचकूला। मनुष्य को अपनी भावी पीढ़ियों के विकास और बेहतरी के लिए संधारणीय विकास लक्ष्यों को प्राप्त करना होगा। इसके लिए हमें विज्ञान और अध्यात्म को साथ-साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। ये शब्द बी आर अम्बेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ अर्चना मिश्रा ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में संधारणीय विकास लक्ष्य (सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल) पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं सेमीनार में कहे। डॉ मिश्रा ने कहा कि भारतीय संस्कार हमें वनस्पति और पशुओं की पूजा एवं सत्कार करना सिखाते हैं। सेमिनार में प्रतिभागी प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण भारत के लिए नई अवधारणा नहीं है बल्कि सम्राट अशोक जैसे राजाओं ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी कानून बनाए। भारत में ईको विलेज की अवधारणा भी प्राचीन समय से चली आ रही है। उन्होंने सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स के विभिन्न 17 बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश भी डाला। कुलपति अर्चना मिश्रा इस सेमीनार में बतौर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता शामिल हुई। सेमीनार एवं कार्यशाला का आयोजन श्री माता मनसा देवी संस्कृत महाविद्यालय, पंचकूला और स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टिट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। जिला उच्च शिक्षा अधिकारी एवं श्री माता मनसा देवी संस्कृत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ रीटा गुप्ता ने मुख्य अतिथि डॉ अर्चना मिश्रा का स्वागत किया और उनके व्यक्तित्व से श्रोताओं को परिचित करवाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेक्टर -1 कॉलेज के प्राचार्य यशपाल सिंह ने की। सेमिनार के प्रथम सत्र में स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर, स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टिट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट, डॉ सलेंदर मलिक ने ह्यसस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल सेनेटाइजेशनह्ल विषय पर प्रस्तुति दी। मलिक ने संयुक्त राष्ट्र सभा द्वारा अंगीकृत किये गए सभी बिन्दुओं से श्रोताओं को विस्तार से परिचित करवाया। दूसरे तकनीकी सत्र के दौरान राजकीय कॉलेज बरवाला, पंचकूला के प्राचार्य डॉ